






9-8-19 तहसीलवा किशानबाहू कार्यालय ओर
से पत्रावली पेश की गई। दफ्तर स्थिति से। गोरखपुर
उपखण्ड प्रशासन द्वारा। कानून सुनवाई
दिनांक 23-8-19 को पेश हो। 

26-8-19 आवकाश होने से आज पेश हुई।
कानून ओर दिनांक 6-9-19 को पेश हो। 

6-9-19 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब अलकटिडिंग
अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं।
उभयपक्ष के अभि.उप. आयुक्त दिनांक 13-9-19
को पेश हो।

रीडर

13-9-19 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब आवकाश पर हैं।
अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं।
उभयपक्ष के अभि.उप. आयुक्त दिनांक 27-9-19
को पेश हो।

रीडर

27-9-19 पत्रावली पेश हुई। उपखण्ड स्वीकार
किया जा रहा है। निर्णय पृथक से प्रकट किया
जाएगा। पत्रावली को हल सुनाया। सुनवाई
कार्य स्थगित हो। 

अध्यायिका धारा 1- श्री सुरेश प्रसाद {आर.प.एन-1}

प्रा.पत्र संख्या	पुस्तक तिथि	निर्णय तिथि
39	26-8-19	27-9-19

उपलक्षण

1- सरकार जरिये तहसीलदार किशनगढ़-बात जिला अलवर :- प्रार्थी

बनाम

1- मुख्य उमरदीम पुनाम धीमी जाति मेव निवासी बिदरका तहसील किशनगढ़-बात जिला अलवर :- अप्रार्थीगण

प्रा.पत्र धारा 136 एन.आर.एक्ट

पत्रावली पेश हुई। प्रकरण के त्क म पुनान्त निम्न प्रकार से है :-

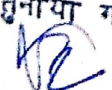
तहसीलदार किशनगढ़-बात ने प्रा.पत्र पेश किया कि पटवारी हल्का व भू.अ. निरीफेड की रिपोर्ट अनुसार ग्राम बिदरका में मुताबिक मिलाने के लिये एवं नकल लूटा में ख.नं. 322/483 दर्ज है। जबकि मिसल हकीयत सं. 2029 एवं जमाबन्दी सं. 2069-72 के खंता सं. 139 में ख.नं. 382/483 दर्ज है। अतः जमाबन्दी सं. 2069-72 के खंता सं. 139 में ख.नं. 382/483 के बजाय 322/483 सुद किया जाना उचित है।

प्रा.पत्र प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण ने जवाब पेश कर स्वीकार किया कि रिकार्ड की एकलपता के लिए जमाबन्दी में दुरुस्ती किये जाने में हमें कोई आपत्ति नहीं है दुरुस्ती की जाये।

हमने पत्रावली के संलग्न दस्तावेज एवं रिपोर्ट, पटवारी व भू.अ. नि. का अवलोकन किया। प्रा.पत्र के संलग्न रिपोर्ट एवं अप्रार्थीगण के जवाब अनुसार प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है।

अतः आदेश है कि :-

प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर तहसीलदार किशनगढ़-बात को आदेश दिये जाते हैं कि ग्राम बिदरका की जमाबन्दी सं. 2069-72 के खंता सं. 139 में ख.नं. 382/483 के बजाय 322/483 दर्ज कर सुद्री की जाये। निर्णय की प्रति पालनार्थ तहसीलदार किशनगढ़-बात को भिजवाई जावे। पत्रावली फैसल सुमार होकर दाखिल रिकार्ड। निर्णय को न्यायालय में सुनाया गया।


उपसहायिका की
किशनगढ़-बात अलवर